अध्याय 6

भारतीय सभ्यताक आरम्भ

भारतक सबसँ प्राचीन सभ्यता, जकरा विभिन्न रूपसँ हड़प्पा, सिन्धु वा सिन्धु-सरस्वती सभ्यताक नामसँ जानल जाइत अछि, वास्तवमे कतेको मायनामे उल्लेखनीय छल। ... [ई देखौलक जे केना] एकटा सुसंतुलित समुदाय रहैत अछि - जाहिमे अमीर आ गरीबक बीच अन्तर दृष्टिगोचर नहि होइत अछि। ... संक्षेपमे, हड़प्पा सामाजिक परिदृश्य 'शोषण'क नहि छल, बल्कि आपसी 'आवास'क छल।

— बी.बी. लाल

महत्त्वपूर्ण प्रश्न

1. सभ्यता की अछि?
2. भारतीय उपमहाद्वीपक प्रारम्भिक सभ्यता की छल?
3. एकर प्रमुख उपलब्धि की छल?

0681CH06

© NCERT not republished

चित्र 6.1। धोलावीरा 'महल' क्षेत्रक उत्तरी प्रवेश द्वार।

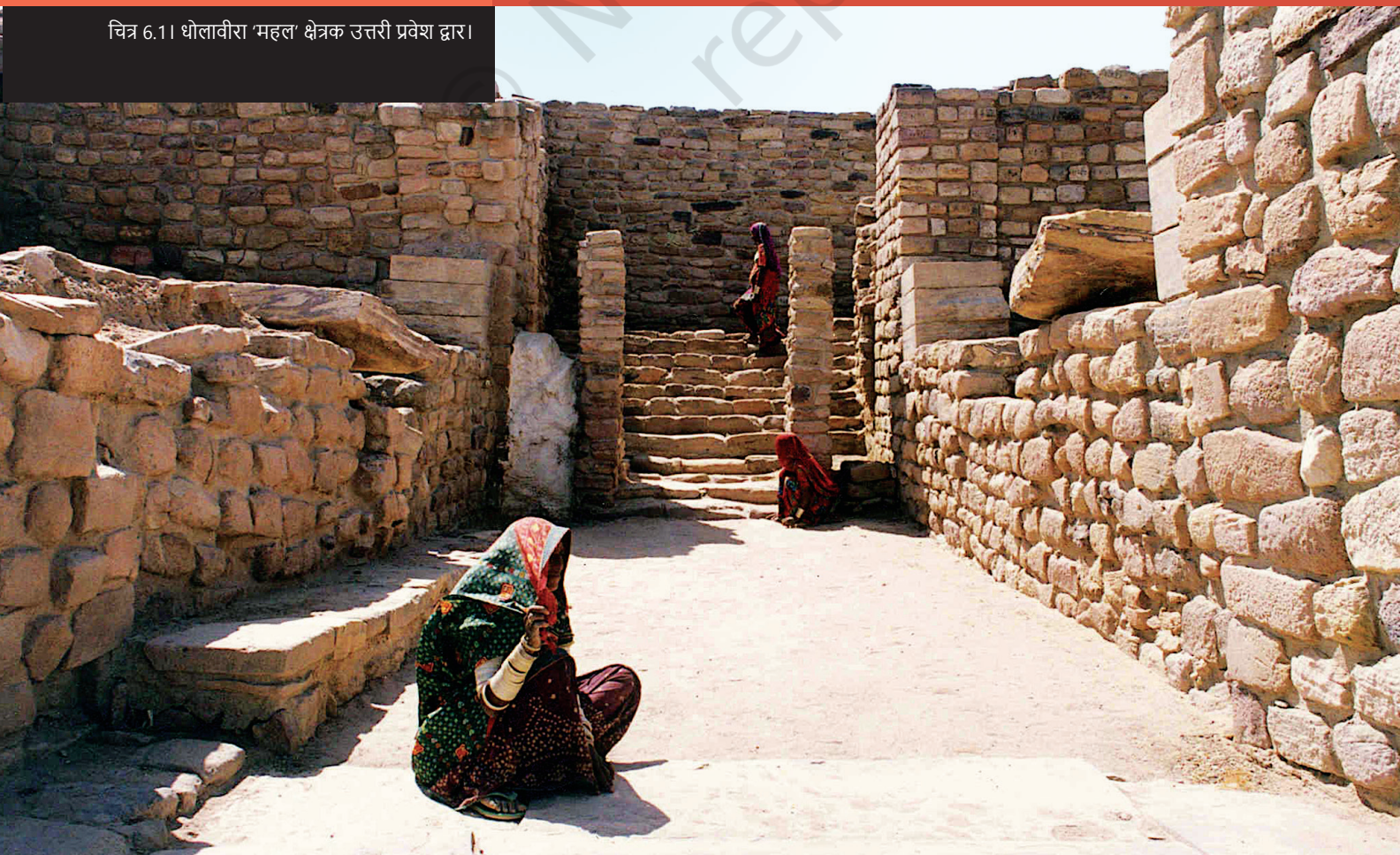

सभ्यता की अछि?

धातु विज्ञान: धातु विज्ञानक प्रकृतिसँ धातु निकालबाक, ओकरा शुद्ध करबाक वा संयोजित करबाक तकनीकक सङ्ग-सङ्ग धातु आ ओकर गुणसभक वैज्ञानिक अध्ययन सेहो सम्मिलित अछि।

अध्याय 4क अन्तमे, हम देखलहुँ जे पहिल मानव समूह बसल छल, कृषि करैत छल, किछु प्रौद्योगिकी विकसित करैत छल (जेना निर्माण, धातुकर्म, परिवहन) आ 'सभ्यता' दिस बढ़ि रहल अछि।

तखन सभ्यता की अछि? सामान्यतः एहि शब्दक प्रयोग मानव समाजक उन्नत चरणक लेल कयल जाइत अछि। सटीक होयबाक लेल हम एतय विचार करब जे एकटा 'सभ्यता'मे कमसँ कम निम्नलिखित विशेषता होयबाक चाही:

- शासन आओर प्रशासनक कोनो रूप — एकटा बेसी जटिल समाज आ ओकर बहुत रास गतिविधिक प्रबन्धन करबाक लेल
- नगरीकरण — नगर नियोजन, नगरक विकास आ ओकर प्रबन्धन, जाहिमे सामान्यतः जल प्रबन्धन आ जल निकासी प्रणाली सम्मिलित अछि।
- विभिन्न प्रकारक शिल्प — कच्चा माल (जेना पाथर या धातु) के प्रबन्धन आ तैयार माल (जेना गहना आ उपकरण) के उत्पादन सहित
- व्यापार दुनू आन्तरिक (कोनो नगर या क्षेत्रक भीतर) आ बाहरी (दूरक क्षेत्र या दुनियाक अन्य भागक सङ्ग) - सभ तरहक वस्तुक आदान-प्रदान करबाक लेल।
- लेखनक कोनो रूप — अभिलेख रखबाक लेल आ सम्वाद करबाक लेल आवश्यक अछि
- सांस्कृतिक विचार जीवन आ दुनियाक विषयमे, कला, वास्तुकला, साहित्य, मौखिक परम्परा वा सामाजिक रीति-रिवाजक माध्यमसँ व्यक्त कयल गेल अछि ।
- कृषि उत्पादकता — मात्र गामक नहि अपितु नगरक पेट भरबाक लेल पर्याप्त अछि।

© NCERT not to be republished

आबू विचार करू

उपरोक्त विशेषतासभमेसँ कोन विशेषता अहाँकेँ लगैत अछि जे सबसँ मौलिक अछि - अर्थात, आन सबहक विकासक लेल आवश्यक विशेषता?

आउ अन्वषण करू

उपरोक्त सूचीमे प्रत्येक विशेषताक लेल, की अहाँ एकटा सूची बना सकैत छी एहन व्यवसाय या वृत्ति के जे एहन समाज मे भए सकैत अछि?

ई देखब एतेक सरल अछि जे ई सभ विशेषता आइ दुनियाक अधिकांश समाजमे अछि। मुदा सभ्यताक आरम्भ कहिया भेल, जाहि अर्थमे आब हम परिभाषित कयने छी?

दुनियाक विभिन्न भागमे अलग-अलग समय पर सभ्यताक प्रारम्भ भेल। मेसोपोटामिया (आधुनिक इराक आ सीरिया)क नामसँ जानल जायवला क्षेत्रमे, ई लगभग 6,000 वर्ष पहिने भेल छल, आ प्राचीन मिस्रमे सभ्यता किछु शताब्दी बाद भेल। अहाँकेँ एहि सभ आ किछु आओर सभ्यताक विषयमे बादक कक्षामे पता चलत। कतेको मायनामे मानवता ओहि प्राचीन सभ्यताक विशाल योगदान आ प्रगतिक बिना अपन वर्तमान अवस्थामे नहि पहुँचि सकैत छल।

मुदा एखन लेल हम मात्र भारतीय उपमहाद्वीपकेँ देखब, आ ओकर उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र ओतय अछि जतऽ हमर कहानी शुरू होइत अछि।

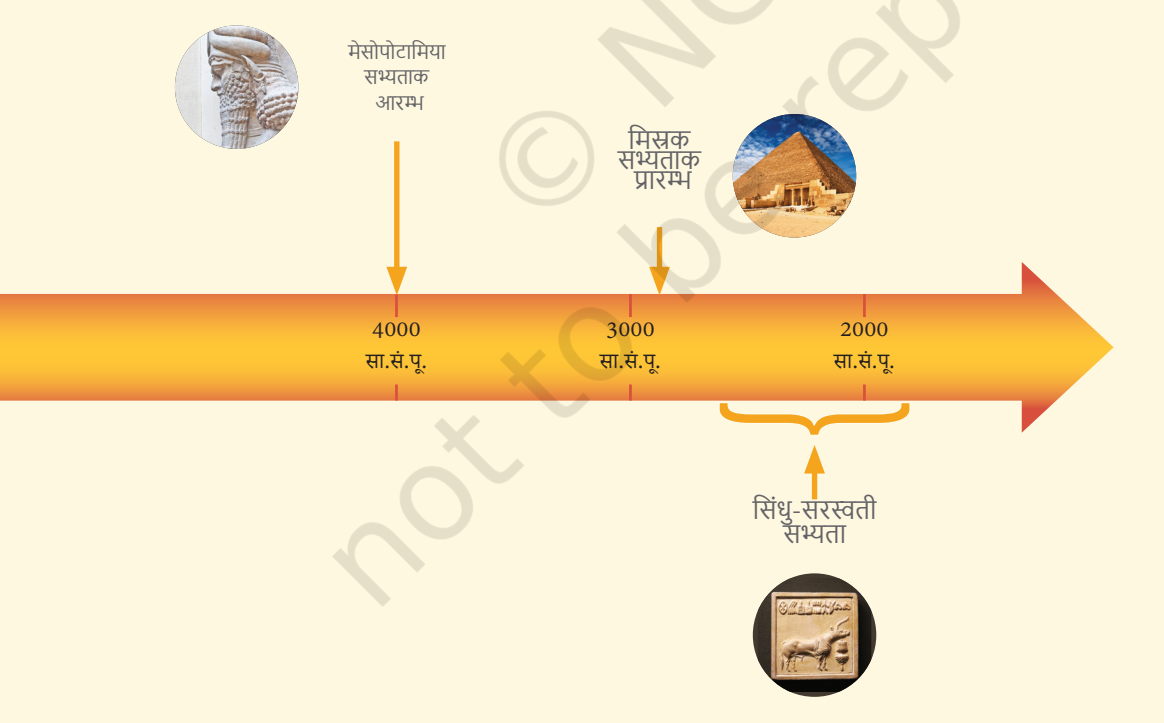

चित्र 6.2। समयरेखा लगभग 2600 सँ 1900 सा.सं.पू. धरि सिन्धु-सरस्वती सभ्यताक अवधिकेँ देखबैत अछि।

© NCERT not to be republished

गामसँ नगर

सहायक नदी: एकटा नदी जे एकटा पैघ नदी (वा झील) मे बहैत अछि। जेना, यमुना गंगाक सहायक नदी अछि।

पंजाब (आइ भारत आ पाकिस्तानक बीच बँटल) आ सिंध (आब पाकिस्तानमे) केर विशाल मैदानमे सिन्धु नदी आ ओकर पानि भरि जाइत अछि। सहायक नदी, एहिसँ ओ मैदान उपजाऊ भऽ गेल आ तेँ खेतीक लेल अनुकूल भऽ गेल। कने आगू पूब, किछु सहस्राब्दी पहिने, एकटा आओर नदी, सरस्वती, हिमालयक तलहटीसँ हरियाणा, पंजाब, राजस्थानक किछु हिस्सासँ बहैत छल। आ गुजरात (चित्र 6.3 देखू)। एहि पूरा क्षेत्रमे, लगभग 3500 सा.सं.पू.सँ गाम कस्बामे बढ़ल, आ बढ़ैत व्यापार आ अन्य आदान-प्रदानक सङ्ग, ओ नगर आओर नगरमे बढ़ि गेल। ई संक्रमण लगभग 2600 सा.सं.पू.मे भेल छल।

पुरातत्वविद एहि सभ्यताकेँ कतेको नाम देलनि - 'सिन्धु', 'हड़प्पा', 'सिन्धु-सरस्वती' वा 'सिन्धु-सरस्वती' सभ्यता। हम एहि सभ शब्दक प्रयोग करब। एकर निवासीकेँ 'हड़प्पा' कहल जाइत अछि। ई दुनियाक सबसँ पुरान सभ्यतामेसँ एक अछि।

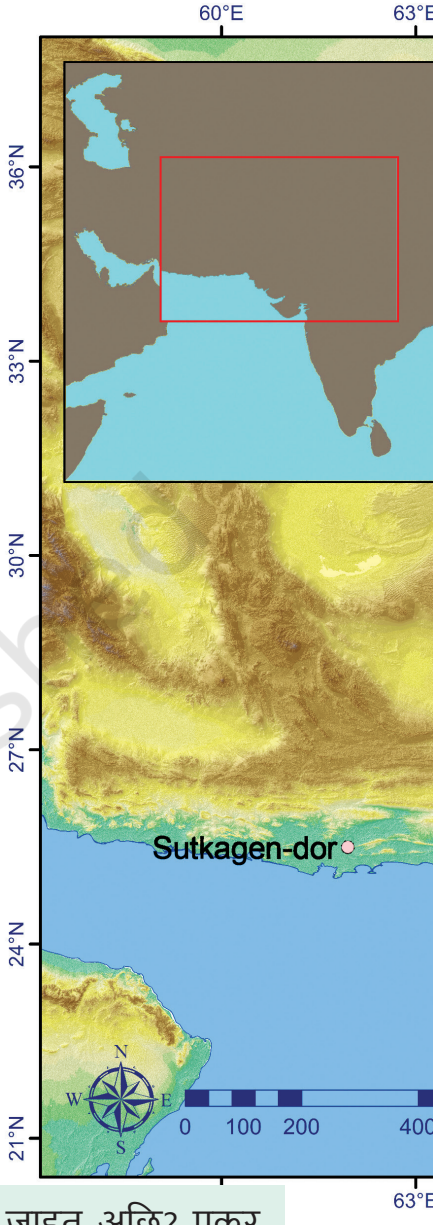

ध्यान राखू

एहि सभ्यताक निवासीकेँ आइ 'हड़प्पा' किएक कहल जाइत अछि? एकर कारण ई अछि जे हड़प्पा नगर (आइ पाकिस्तानक पंजाबमे) एहि सभ्यतामे पहिल छल जकरा एक शताब्दीसँ बेसी पहिने 1920-21 मे बहिष्कृत कयल गेल छल।

एहि विकासकेँ 'भारतक पहिल नगरीकरण' सेहो कहल जाइत अछि।

© NCERT not to be republished

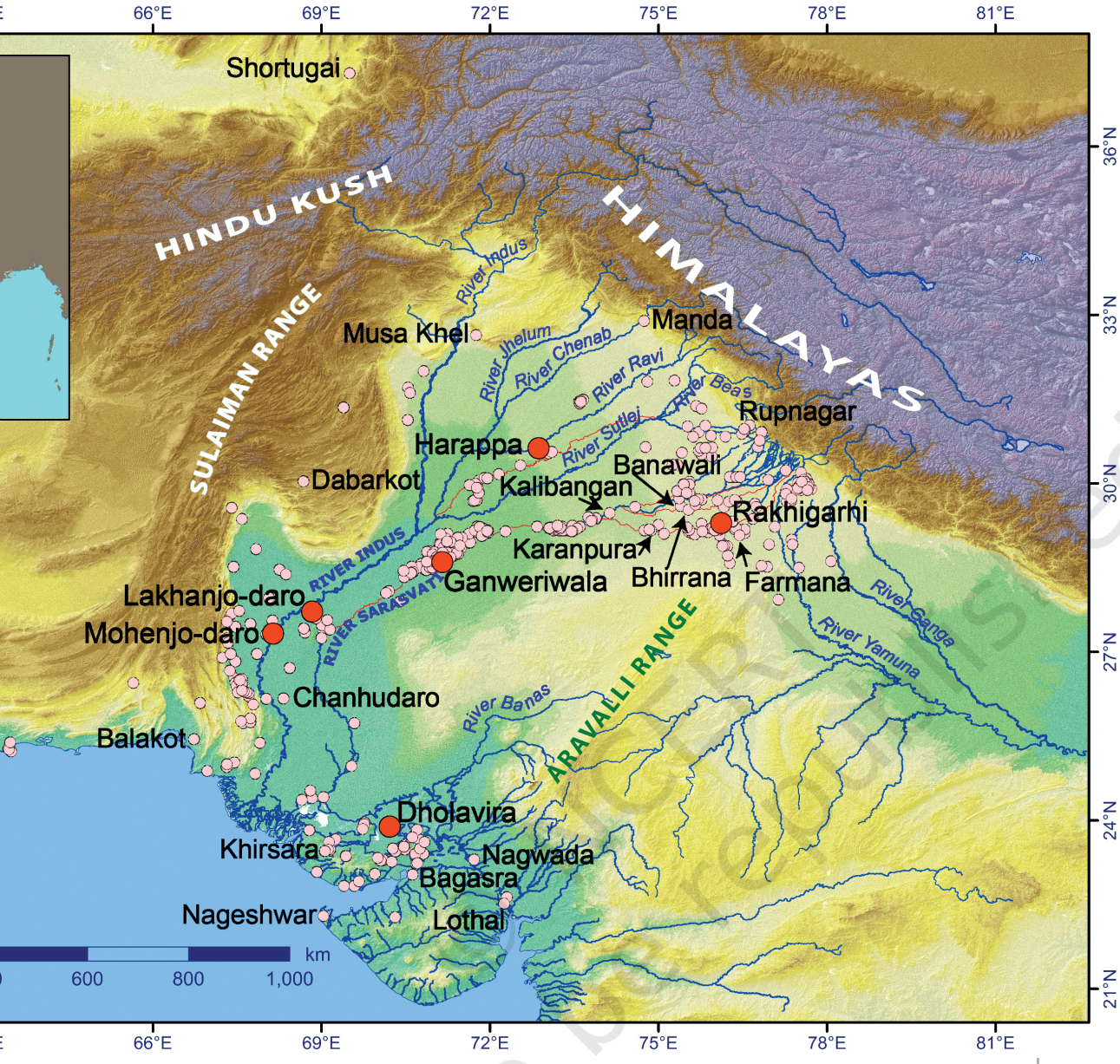

चित्र 6.3। सिन्धु-सरस्वती सभ्यताक किछु मुख्य बस्तीक नक्शा। पर्वत श्रृंखला द्वारा बनल प्राकृतिक सीमा पर ध्यान दिअ (भूरा रंग मे)।

आउ अन्वषण करू

एहि सभ्यताक किछु महत्त्वपूर्ण नगर चिह्नित अछिनक्शा पर (चित्र 6.3)। एकटा वर्ग गतिविधिक रूपमे, की अहाँ अगिला पृष्ठ पर तालिकामे एहि नगरसभकेँ आधुनिक राज्य वा क्षेत्रक सङ्ग मिलान करबाक प्रयास कऽ सकैत छी ?

हड़प्पा नगर	आधुनिक राज्य / क्षेत्र
ढोलाविरा	पंजाब
हड़प्पा	गुजरात
कालीबंगन	सिंध
मोहेंजोदड़ो	हरियाणा
राखीगढ़ी	राजस्थान

सरस्वती नदी

मानचित्र (पृष्ठ 89 पर चित्र 6.3) सिन्धु आ एकर पाँच मुख्य सहायक नदी; ओहि नदीक कातमे महत्त्वपूर्ण नगर बढ़ल, जेना मोहनजोदड़ो आ हड़प्पा। मुदा सरस्वती नदीक कातमे बहुत रास स्थल सेहो अछि, जे आइ भारतमे 'घग्गर' आ पाकिस्तानमे 'हकरा' नामसँ जानल जाइत अछि (तेँ एकर नाम 'घग्गर-हकरा नदी' पड़ल)। ई नदी आब मौसमी अछि, किएक तँ ई मात्र बरसातक मौसममे बहैत अछि।

सरस्वती नदीक उल्लेख सबसँ पहिने ऋग्वेदमे भेटैत अछि, जे प्रार्थनाक एकटा प्राचीन सङ्ग्रह अछि जकर विषयमे हम अध्याय 7 मे पढ़ब। एहि ग्रन्थमे सरस्वतीक पूजा देवी आ 'पहाड़सँ समुद्र दिस' बहैत नदी दुनूक रूपमे कयल गेल अछि। बादक ग्रन्थसभमे नदीकेँ सूखबाक आ अन्ततः लुप्त होयबाक वर्णन कयल गेल अछि।

नगर नियोजन

हड़प्पा आ मोहनजोदड़ो, जे आब पाकिस्तानमे अछि, एहि सभ्यताक पहिल दू नगर छल जकर खोज कयल गेल छल; हुनकर पहचान एक शताब्दी पहिने 1924 सँ शुरू होइत अछि। एकर बाद सिन्धु मैदानमे कतेको स्थल भेल, जाहि कारणेँ सभ्यताकेँ आरम्भमे 'सिन्धु घाटी सभ्यता' कहल जाइत छल।

बादमे, अन्य प्रमुख नगर, जेना धोलावीरा (गुजरातमे), राखीगढ़ी (हरियाणामे), गंवेरीवाला (पाकिस्तानक चोलिस्तान रेगिस्तानमे), आ सैकड़न छोट-छोट स्थल (जेना गुजरातक लोथल) भेटल, जाहिमेसँ किछु उत्खनन कयल गेल।

© NCERT not to be republished

आबू विचार करू

अहाँकेँ 'सिन्धु घाटी सभ्यता' शब्द भेटल होयत आ देखलहुँ होयत जे हमसभ एकर प्रयोग नहि कयने छी। मानचित्र पर एक नजरि (पृष्ठ 89 पर चित्र 6.3) बतबैत अछि जे 'घाटी' शब्द किएक अप्रचलित अछि, किएक तँ आब हमसभ जनैत छी जे सभ्यता सिन्धु क्षेत्रसँ बहुत आगू पसरल छल।

एहन खोज आइयो जारी अछि! ई ध्यान राखब रोचक अछि जे सरस्वती बेसिनमे मात्र दूटा प्रमुख नगर नहि अछि - राखीगढ़ी आ गंवेरीवाला - बल्कि कतेको छोट नगर (हरियाणाक फरमाना, राजस्थानमे कालीबंगन) आ किछु कस्बा (भिराना आ बनावली, दुनू हरियाणामे); वास्तवमे, मानचित्र (पृष्ठ 89 पर चित्र 6.3) ओहि क्षेत्रक स्थलसभक उच्च घनत्वकेँ स्पष्ट करैत अछि।

हड़प्पा केर पैघ नगर सटीक योजनाक अनुसार बनाओल गेल छल। हुनका लोकनिक चौड़ा गली छल (पृष्ठ 92 पर चित्र 6.4 आ 6.5), जे प्रायः मुख्य दिशासभ दिस उन्मुख छल। लगैत अछि जे अधिकांश नगर घेरल अछि किलेबंदी आ दूटा अलग-अलग भाग छल - 'ऊपरी नगर', जतय स्थानीय अभिजात वर्ग संभवतः रहैत छल, आ 'निचला नगर', जतय आम लोक रहैत छल।

किलेबंदी: कोनो बस्ती या नगरक चारू कात एकटा विशाल देवाल, सामान्यतः सुरक्षात्मक उद्देश्यक लेल।

अभिजात वर्ग : एतय ई शब्द समाजक उच्च स्तरकेँ संदर्भित करैत अछि, जेना शासक, अधिकारी, प्रशासक, आ प्रायः पुरोहित।

एहन लगैत अछि जे किछु पैघ भवनक उपयोग सामूहिक उद्देश्यक लेल कयल गेल छल - उदाहरणक लेल, गोदाम जतय परिवहन कयल जायवला सामान भंडारित कयल जाइत छल। विभिन्न आकारक अलग-अलग घर सड़कसभ आ छोट-छोट गलीमे पंक्तिबद्ध छल। दिलचस्प बात ई अछि जे छोट आ पैघ घरक लेल निर्माणक गुणवत्ता समान छल। ओ सभ भवन सामान्यतः ईंटासँ बनल छल।

किछु संरचनाक उद्देश्य बहसक विषय बनल अछि। ई मोहेंजोदड़ोमे प्रसिद्ध 'महान स्नान'क मामला अछि (पृष्ठ 93 पर चित्र 6.6), एकटा छोट मुदा विस्तृत टैंक जकर माप लगभग 12 x 7 मीटर छल आ सावधानीपूर्वक राखल गेल ईंटाक ऊपर जलरोधक सामग्री (जेना प्राकृतिक बिटुमेन, टारक एकटा रूप) लगाओल गेल छल। टैंकक चारू कात छोट-छोट कोठरी छल, जाहिमे सँ

© NCERT not to be republished

(ऊपर) चित्र 6.4। निचला नगर क्षेत्रमे कालीबंगा (राजस्थान) मे एकटा चौड़ा गली।

(दहिन्ना) चित्र 6.5। धोलावीरामे आवास क्षेत्र, लंबवत सड़कक सङ्ग, मध्य नगरमे (ढोलावीरामे तीनटा अलग-अलग क्षेत्र छल, आन नगरक जकाँ दूटा नहि)। संगहि, एहि नगरमे अधिकांश भवनक नीवं पाथरसँ बनाओल गेल छल।

© NCERT not to be republished

एकटामे इनार छल; टैंकक एक कोनमे एकटा नाला छल जाहिसँ समय-समय पर एकरा खाली कऽ ताजा पानिसँ भरि देल जा सकय।

चित्र 6.6। मोहेंजोदड़ोक महान स्नान

एहन संरचनाक उद्देश्य की छल? पुरातत्वविद कतेको सम्भावित व्याख्याक प्रस्ताव देलनि अछि - लोकक लेल सार्वजनिक स्नान; केवल शाही परिवार के लेल स्नान; या धार्मिक अनुष्ठान के लेल प्रयुक्त टैंक। पहिल व्याख्याकेँ आब खारिज कऽ देल गेल अछि किएक तँ ई पता चलैत अछि जे एहि नगरमे अधिकांश घरमे व्यक्तिगत स्नानगृह छल।

आउ अन्वेषण करू

अंतिम दूटा व्याख्या के बारे मे कक्षा मे चर्चा करू। अहां कोनो आउर व्याख्या के बारे मे सोचैत छी? मोन राखू जे एहि मामिलामे हमरा लग इतिहासक कोनो आन स्रोत नहि अछि - कोनो शिलालेख नहि, कोनो पाठ नहि, कोनो यात्रीक विवरण नहि।

© NCERT not to be republished

जल प्रबन्धन

हड़प्पा लोकनि जल प्रबन्धन आ स्वच्छताकेँ बहुत महत्व दैत छलाह। हुनका लोकनिक घरमे स्नान करबाक लेल प्रायः अलग-अलग क्षेत्र रहैत छल। ई सभ नालीसभक एकटा जल-निकास प्रणालीसँ जुड़ल छल (चित्र 6.7), जे सामान्यतः सड़कसँ नीचा छल आ अपशिष्ट पानिकेँ दूर लऽ जाइत छल।

चित्र 6.7। लोथल (गुजरात) में जल निकास प्रणाली

मोहेंजोदड़ोमे लोक ईंटासँ बनल सैकड़ो इनारसँ पानि निकालैत छल। मुदा आन क्षेत्रमे ई पोखरि, लगपासक धारा वा मानव निर्मित धारासँ भऽ सकैत

अछि। जलाशय. ढोलावीरा (गुजरातक कच्छक रणमे) केर मामिलामे सबसँ पैघ जलाशयक लम्बाई 73 मीटर छल!

जलाशय: एकटा पैघ प्राकृतिक या कृत्रिम स्थान जतय पानि जमा अछि।

आउ अन्वषण करू

कक्षा गतिविधिक रूपमे, अपन कक्षाक लंबाई नापू, कोनो मापक टेपक सहायतासँ एकटा स्कूल गलियारा या खेल के मैदान। ई नमाइ क' तुलना धोलावीरा क' सबसं पैघ जलाशयक लम्बाई सँग करू।

धोलावीरामे कमसँ कम छओ पैघ जलाशय पाथरसँ बनाओल गेल छल वा एतय धरि कि चट्टानमे काटल गेल छल (चित्र 6.8)। ओहिमेसँ अधिकांशकेँ कुशल जल संचयन आ वितरणक लेल भूमिगत नालीक माध्यमसँ जोड़ल गेल छल ।

चित्र 6.8। धोलावीरामे चट्टानमे काटि क 33 मीटर एकटा पैघ जलाशय,

आबू विचार करू

कल्पना करू जे जलाशयक निर्माणक बनेबा लेल पैघ संख्यामे मजदूरक आवश्यकता अछि। अहाँके लगैत अछि जे हुनक काजक आयोजन के केलक आ हुनका सभकेँ सटीक निर्देश के देलक? अहां के लगैत अछि जे हुनका सभ के अपन श्रम के भुगतान केना भेल? (संकेत: ओहि समय कोनो पाइ नहि छल जेना आइ अपनासभ लग अछि। चूँकि जलाशयसभकेँ समय-समय पर साफ करबाक आवश्यकता छल, की ओकर रखरखावक प्रबन्धन लेल कोनो स्थानीय प्राधिकरण छल? एहि नगरक शासक आ नगरपालिका प्रशासनक विषयमे एहि सबसँ कोन सुराग भेटैत अछि?

अपन कल्पनाक प्रयोग कर आ अपन शिक्षकसँ चर्चा करू। पुरातत्वविद सेहो एहि प्रश्नसभ पर चर्चा करैत छथि, आ उत्तर हरदम अंतिम नहि होइत अछि!

हड़प्पावासीसभ की खएलाह?

हड़प्पा लोकनि पैघ वा छोट नदीक कातमे अपन कतेको बस्ती बनौलनि। ई एकटा तार्किक विकल्प अछि, मात्र पानिक सहज पहुँचक लेल नहि, अपितु खेतीक लेल सेहो अछि, किएक तँ नदीसभ अपन चारूकातक माटिकेँ समृद्ध करैत अछि। पुरातात्विक निष्कर्षसँ पता चलल अछि जे हड़प्पा लोकनि दलहन आ विभिन्न तरहक तरकारी के अतिरिक्त जौ, गहूम, किछु बाजरा, आ कखनो काल चाउर सन अनाज उगाबैत छलाह। यूरेशियामे ओ सभ पहिल छलाह जे कपास उगाबैत छलाह, जकरा ओ कपड़ामे बुनैत छलाह। ओ सभ हल (चित्र 6.9) सहित खेतीक औजार बनौलनि, जाहिमे सँ किछु आधुनिक समयक किसान द्वारा उपयोग कयल जाइत अछि।

दलहन: फसिलक एकटा श्रेणी जाहिमे बीन्स, मटर आ मसूर (दालि) सम्मिलित अछि।

© NCERT not to be republished

चित्र 6.9। माटिक हलक एकटा छोट प्रतिरूप (हरियाणाक बनावली सँ प्राप्त)

एहि गहन कृषि गतिविधिक प्रबन्धन छोट-छोट ग्रामीण स्थल वा गामक झुण्ड द्वारा कयल जाइत छल। तखन एखन जकाँ, नगर तखन जीवित रहि सकैत छल जखन ग्रामीण क्षेत्रसँ पर्याप्त कृषि उपज दैनिक आधार पर ओतय पहुँचि जायत।

हड़प्पा लोकनि मांसक उपभोगक लेल कतेको जानवरकेँ पालतू सेहो बनबैत छलाह आ नदी आ समुद्र दुनूमे माछ मारैत छलाह। खुदाईक दौरान भेटल पैघ संख्यामे जानवर आ माछक जीवाश्मसँ ई ज्ञात होइत अछि।

हड़प्पा के खाना बनाबए के बर्तन मे की छल? माटिक बर्तनक वैज्ञानिक परीक्षणसँ किछु उत्तर भेटल अछि, दुनू अपेक्षित (दुग्ध उत्पाद) आ अप्रत्याशित- जेना हरद, आद आ केराक अवशेष। स्पष्ट अछि जे हुनकर आहार बहुत विविध छल।

आउ अन्वषण करू

कल्पना करू जे अहां हड़प्पा के घर मे भोजन पकाबैत छी। कोन व्यंजन या ऊपर देल गेल सूचनाक आधार पर अहां कून व्यंजन तैयार करब?

सक्रिय व्यापार

हड़प्पा लोकनि न केवल अपन सभ्यता (लगपासक वा दूरक अन्य नगर) मे, मुदा भारतक भीतर आ बाहर अन्य सभ्यता आ संस्कृतिक सङ्ग सक्रिय व्यापारमे लागल छलाह।

अपन सभ्यताक भीतर ओ सभ गहना, लकड़ी, दैनिक उपयोगक किछु वस्तुक निर्यात करैत छलाह (चित्र 6.11 पृष्ठ 98 पर), संभवतः सेहो सोना आ कपास, आ संभवतः किछु खाद्य पदार्थ। सबसँ पसंदीदा गहना कार्नेलियन के मोती छल (चित्र 6.10 पर पृष्ठ 98), एकटा लाल अर्धकीमती पत्थर जे बेसीतर गुजरात मे भेटैत अछि । हड़प्पा शिल्पी लोकनि ओकरा खोदबाक लेल विशेष तकनीक-निक्स विकसित कयलनि, जाहिसँ एकटा डोरी ओहिसँ गुजरि सकय, आ ओकरा विभिन्न तरीकासँ सजाओल जा सकय। ओ शंखकेँ सुन्दर खोलक चूड़ीमे सेहो काज करैत छलाह, जाहिमे परिष्कृत तकनीकक आवश्यकता होइत छैक कियैक तँ खोल एकटा कठोर सामग्री होइत छैक।

हड़प्पा लोकनि निर्यात कयल गेल वस्तुक बदलामे की आयात कयलनि से एतेक स्पष्ट नहि अछि। एहिमे संभवतः तांबा सम्मिलित छल, किएक तँ ई धातु घर पर ओतेक सामान्य नहि छल।

© NCERT not to be republished

आउ अन्वेषण करू

हड़प्पा लोकनि नरम धातु तांबाक कलामे कुशल छलाह। जँ ताम्रमे टिन जोड़ल जाय तँ परिणामस्वरूप धातु कांस्य होइत छैक, जे ताम्रसँ कठिन होइत छैक। हड़प्पा लोकनि औजार, बर्तन आ कड़ाही बनयबाक लेल कांस्यक प्रयोग करैत छलाह, आ जेना कि बादमे किछु मूर्ति देखब ।

चित्र 6.10। सूसा (वर्तमान ईरान) मे खुदाई मे कार्नेलियन के हड़प्पा मोती कएल गेल मोती

चित्र 6.11। हड़प्पा हाथीदाँतक कंघी (लगभग 7 सेंटीमीटर नम्मा) ओमानक तट पर पाओल जाइत अछि।

एहि तरहक व्यापार करबाक लेल ओ लोकनि भूमि मार्ग आ नदी, आ समुद्रक उपयोग बेसी दूरक गन्तव्यक लेल कयलनि - ई भारतक पहिल गहन समुद्री गतिविधि अछि। वास्तव मे, बहुत रास हड़प्पा बस्ती गुजरात आ सिंधक तटीय क्षेत्रमे स्थित अछि। गुजरातक एकटा छोट बस्ती लोथलमे आश्चर्यजनक रूपसँ विशाल बेसिन अछि जकर लम्बाई 217 मीटर आ चौड़ाई 36 मीटर अछि - एकर लम्बाई दूटा फुटबॉल मैदानसँ कने बेसी अछि! ई बेसिन एकटा बंदरगाह रहल हेतैक, अर्थात, एकटा संरचना जकर उपयोग नावक माध्यमसँ वस्तुक परिवहनक लेल प्राप्त करय आ पठाबय लेल कयल जाइत छल।

एहि तरहक विस्तृत व्यापारक लेल व्यापारीकेँ अपन वस्तुक पहिचान करबामे सक्षम होयबाक आवश्यकता होइत छैक - आ एक दोसरकेँ सेहो ! एहन लगैत अछि जे हजारो छोट-छोट मोहरक मुख्य उद्देश्य ई छल, जकर खुदाई कतेको बस्तीसँ कयल गेल अछि। ई मोहर सामान्यतः स्टीटाइटसँ बनैत छल, एकटा

© NCERT not to be republished

चित्र 6.12। लोथल मे विशाल बंदरगाह

नरम पाथर जकरा गर्म करबाक माध्यमसँ कठोर कयल जाइत छल। ई सभ मात्र किछु सेंटीमीटर नापैत अछि आ सामान्यतः जानवरक आकृतिकेँ चित्रित करैत अछि, जकर ऊपर, किछु संकेत अछि जे लेखन प्रणालीक हिस्सा अछि। मुदा ओ प्रणाली आ जानवरक आकृतिक प्रतीकात्मक अर्थ एखन धरि बुझल नहि जा सकल अछि। जे निश्चित अछि से ई अछि जे ओ कोनो तरहेँ व्यापारिक गतिविधिसँ सम्बन्धित अछि।

चित्र 6.13.1, 6.13.2, 6.13.3- (बामाँ सँ दहिन्ना) एकश्रृंगी पशु, बैल, सींग बला बाघ के हड़प्पा मुहर एकटा गेंडा अछि। हड़प्पा मुहर एकटा बैल के देखाबैत अछि। हड़प्पा सील एकटा देखाबैत अछि।

आउ अन्वषण करू

किछु लेखन चिह्नक सङ्ग एहि तीनू हड़प्पा मुहरकेँ देखैतऽ, अहां के दिमाग मे की चलैत अछि? की अहाँ कोनो व्याख्याक सुझाव देब चाहैत छी? अपन कल्पनाशक्तिक उपयोग करू !

© NCERT not to be republished

पुरातत्वविद हड़प्पावासि द्वारा बनाओल आ उपयोग कयल गेल बहुत रास वस्तु सामने लऽक आयल छथि।

दैनिक क वस्तु प्रयोग

चित्र 6.14.1 (ऊपर), 6.14.2 (दहिन्ना)। एकटा कांस्य दर्पण; एकटा टेराकोटा बर्तन (दुनू धोलावीरा सँ)

चित्र 6.14.3 (ऊपर), 6.14.4 (दहिन्ना)। किछु पाथरक भार; एकटा कांस्य छेनी (दुनू ढोलावीरा सँ)

चित्र 6.14.5, 6.14.6- 25 सेंटीमीटर लम्बा एकटा पाथर पर उत्कीर्ण एकटा खेल-बोर्ड, (ढोलावीरासँ प्राप्त) । लगभग 4 सेंटीमीटर लम्बा टेराकोटा सीटी (राजस्थानक करणपुरासँ)। हड़प्पा लोकनि वयस्क आ बच्चा दुनूकेँ आनन्दित रखबाक लेल बहुत रास खेल आ खिलौना तैयार कयलनि!

चित्र 6.15.1, 6.15.2, 6.15.3। एकटा आकृतिक मूर्ति जकरा प्रायः 'पुरोहित राजा' कहल जाइत अछि (यद्यपि ई ज्ञात नहि अछि जे ई आकृति के छल); स्वस्तिक देखाबए बला मुहर; एकटा मुहर जे एकटा ऊँच चबूतरा पर बैसल तीनमुखी देवताक चित्रण करैत अछि, जे शक्तिशाली जानवरसँ घेरल अछि।

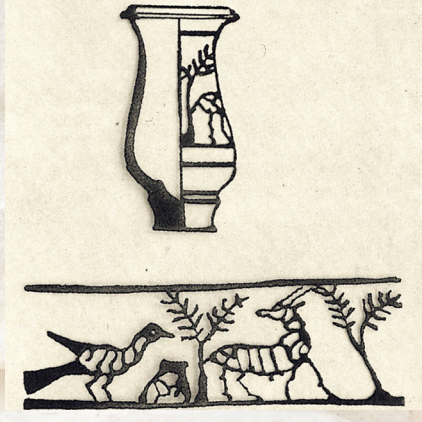

चित्र 6.15.4, 6.15.5, 6.15.6- 'नर्तकी', मोहेंजोदड़ोक कांस्य मूर्ति (ई 10.8 से.मी. ऊँच अछि); 'नमस्ते' मे बैसल टेराकोटा मूर्ति; एकटा बर्तन पर एकटा डिजाइन जे प्यासल कौआक कहानी बतबैत प्रतीत होइत अछि, जे बर्तनक निचला भाग (लोथलसँ) पानि पीबाक एकटा चतुर तरीका खोजैत अछि।

© NCERT not to be republished

आउ अन्वेषण करू

◈ पृष्ठ 100 आ 101 पर देल गेल वस्तु – या एहि अध्यायमे चित्रित कोनो आन वस्तुकेँ देखैत की अहाँ पता लगा सकैत छी जे हड़प्पा लोकनिक लेल जीवनक कोन गतिविधि वा पहलू महत्त्वपूर्ण छल?

आउ अन्वेषण करू

→ लोथल बर्तन पर भेटल कहानी के भरि दियौ। अहाँक विचार मे एहन कहानी के 4,000 साल सँ बेसी समय सँ कोना याद राखल गेल?

→ 'नर्तकी'क लघु मूर्ति पर विचार करू। मूर्ति जे मनोवृत्ति व्यक्त करैत अछि ओहि सँ अहां की बुझैत छी? देखू जे हुनक चूड़ी पूरा बांहि झाँपि रहल अछि, ई प्रथा एखनो गुजरात आ राजस्थानक किछु हिस्सामे देखबामे अबैत अछि। एहि अध्यायमे आओर कतए अहां एहि तरहें पहिरल चूड़ी देख सकैत छी। एहि सं अपनासभके कोन निष्कर्ष निकालबाक चाही?

अन्त अथवा नवीन प्रारम्भ?

लगभग 1900 सा.सं.पू., ई सिन्धु-सरस्वती सभ्यता अपन सभ उपलब्धिक बादो टूटय लागल। एक-एक कऽ नगर सभकेँ छोड़ि देल गेल। जँ कोनो निवासी बनल रहलाह तँ ओ बदलल वातावरणमे ग्रामीण जीवनशैली अपनौलनि - एहन प्रतीत होइत अछि जे पहिने सरकार वा प्रशासन आब अस्तित्वमे नहि छल। धीरे-धीरे हड़प्पा लोकनि हजारो नहि तऽ सैकड़ों, छोट-छोट ग्रामीण बस्तीसभमें बिखेरि गेलनि।

आउ विचार करू

हड़प्पा लोकनि ग्रामीण बस्तीमे घुरि अयलाह किएक तँ ग्रामीण जीवनशैली नगरी जीवनशैलीक तुलनामे भोजन आ पानिक पहुँच आसान दैत अछि। तखन एखन धरि नगर भोजन आ कखनो पानि देबाक लेल गाम पर निर्भर छल।

एहि गिरावटक कारण की छल? पुरातत्वविद बहुत रास कारक प्रस्तावित कयने छथि। बहुत पहिने, ई मानल जाइत छल जे युद्ध वा आक्रमण नगरकेँ नष्ट कऽ देने होयत, मुदा युद्ध वा आक्रमणक कोनो निशान नहि अछि। सचमुच,

© NCERT not to be republished

हड़प्पा लोकनि कोनो सेना वा युद्धक हथियार नहि रखलनि प्रतीत होइत अछि; जतय धरि साक्ष्यक सवाल अछि, ई अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण सभ्यता प्रतीत होइत अछि।

एखन दूटा कारक पर सहमति अछि। पहिल, एकटा जलवायु परिवर्तन जे 2200 सा.सं.पू.सँ दुनियाक अधिकांश भागकेँ प्रभावित कयलक, जाहिसँ वर्षा कम भेल आ शुष्क चरण भेल। एहिसँ खेती बेसी कठिन भऽ जाइत आ नगरसभमे खाद्य आपूर्तिमे कमी आबि सकैत छल। दोसर, सरस्वती नदी अपन मध्य बेसिनमे सुखि गेल; अचानक, ओतय कालीबंगन वा बनवाली सन नगर छोड़ि देल गेल। आन कारक सेहो भऽ सकैत छल, मुदा ई दुनू हमरा मोन पाड़ैत अछि जे अपनासभ अपन कल्याणक लेल जलवायु आ पर्यावरण पर कतेक निर्भर छी।

यद्यपि नगर गायब भऽ गेल, मुदा हड़प्पा संस्कृति आ प्रौद्योगिकीक बहुत रास हिस्सा बचल रहल आ एकरा भारतीय सभ्यताक अगिला चरणमे पहुँचा देल गेल, जकर अपनासभ आगूक अध्यायमे अन्वेषण करब।

आगू बढ़ला सं पहिले ...

- सिन्धु, हड़प्पा वा सिन्धु-सरस्वती सभ्यता दुनियाक सबसँ पुरान सभ्यतामेसँ एक अछि। एहिठामक निवासी हड़प्पा लोकनि कुशल जल प्रबन्धन, विविध शिल्प आ तेज व्यापारक सङ्ग योजनाबद्ध नगरक निर्माण कयलनि।
- उत्पादक खेती नगरमे विभिन्न प्रकारक फसिल अनलक।
- संभवतः जलवायु आ पर्यावरणीय परिवर्तनक कारणेँ अन्ततः सभ्यताक पतन भेल; लोक ग्रामीण जीवनशैली मे वापस आबि गेलाह।

© NCERT not to be republished

प्रश्न, क्रियाकलाप आ परियोजना

1. एहि अध्यायमे अध्ययन कयल गेल सभ्यताक कतेको नाम किएक अछि? ओकर महत्व पर चर्चा करू।
2. सिन्धु-सरस्वती सभ्यताक किछु उपलब्धिक सारांश दैत एकटा संक्षिप्त रिपोर्ट (150 सँ 200 शब्द) लिखू।
3. कल्पना करू जे अहाँकेँ हड़प्पा नगरसँ कालीबंगन धरि यात्रा करय पड़त। अहांक अलग-अलग विकल्प की अछि? की अहाँ मोटा-मोटी अनुमान लगा सकैत छी जे प्रत्येक विकल्पमे कतेक समय लागि सकैत अछि?
4. आइ कल्पना करू जे कोनो हड़प्पा पुरुष या स्त्रीकेँ आजुक भारतक औसत भनसाघरमे पहुँचाओल जा रहल अछि। चारि या पाँचटा सबसँ पैघ आश्चर्य हुनका सभक प्रतीक्षा कए रहल अछि?
5. एहि अध्यायक सभटा चित्रकेँ देखैत ओहि आभूषण / हावभाव / वस्तुक सूची बनाउ जे एखनहु 21वीं शताब्दी मे परिचित बुझाइत अछि।
6. धोलावीरामे जलाशयक व्यवस्था कोन मानसिकताकेँ प्रतिबिम्बित करैत अछि?
7. मोहेंजोदड़ोमे ईंटासँ बनल लगभग 700 इनारक गिनती कयल गेल अछि। एहन लगैत अछि जे कतेको शताब्दीसँ एकर नियमित रखरखाव आ उपयोग कयल जा रहल अछि। निहितार्थ पर चर्चा करू।
8. बहुधा ई कहल जाइत अछि जे हड़प्पालोकनिक नागरिकताक भावना उच्च छल। एहि कथनक महत्व पर चर्चा करू। की अहां एकरा सं सहमत छी? वर्तमान भारतक महानगर के नागरिकक सङ्ग एकर तुलना करू।

© NCERT not to be republished